Amar Ujala ND21/02/2012 P-15

फ्लोरीन रिसर्च पर आयोजित सम्मेलन में भाग लेते प्रतिभागी।

भारत में फ्लोरीन रिसर्च को मान्यता

नई दिल्ली। देश में फ्लोरीन रिसर्च को अंतरराष्ट्रीय मान्यता मिली है। दुनिया भर के 50 से अधिक वैज्ञानिकों की मौजूदगी में यहां पहली बार आयोजित सम्मेलन में यह मान्यता मिली। इस दौरान, भविष्य में फ्लोरिन के विभिन्न क्षेत्रों में इस्तेमाल होने की संभावनाओं पर चर्चा की गई। फ्लोरीन का संभावित इस्तेमाल सिंथेटिक ब्लड, अग्नि निरोधक के शक्तिशाली विकल्प और नई पीढ़ी के रेफ्रिजरेंट्स बनाने में किया जा सकता है। संगोष्ठी में सीएसआईआर के डॉयरेक्टर जनरल प्रो. समीर के ब्रह्मचारी ने वैज्ञानिकों से फ्लोरिनेटेड मॉल्युकल्स की लाइब्रेरी बनाने का आह्वान किया।